

राष्ट्रदूत

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

हिण्डौन सिटी, शनिवार 29 जून, 2024

epaper.rashtradoot.com



श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

मोदी की गांधी

भजनलाल सरकार का दृष्टि साकार

युवाओं के लिए खुल रहे अवसरों के द्वारा

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

मुख्य समारोह

29 जून, 2024 | प्रातः 11:00 बजे

टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ऑडिटोरियम, मानसरोवर, जयपुर

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

अध्यक्षता

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

माननीय मंत्री, कौशल,

नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

विशेष अतिथि

श्री मदन दिलावर

माननीय मंत्री,
शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग

श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर

माननीय मंत्री,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

श्री के.के. विश्वोई

माननीय राज्यमंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

राज्य एवं जिला स्तरीय रोजगार उत्सवों का नियंत्रण आयोजन

प्रथम रोजगार उत्सव में 20 हजार से अधिक नवनियुक्त राज्य कार्मिक शामिल

नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र एवं संवाद कार्यक्रम

“राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने और उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्ण कर सकारी नौकरियों के इकूल पदों को भरना हमारी मुख्य प्राथमिकता है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार सरकारी सेवाओं को कार्यवाही कर रही है।”

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान

संपादकीय

विचार बिन्दु

यदि किसी को भी भूख-प्यास नहीं लगती, तो अतिथि सत्कार का अवसर कैसे मिलता। —विनोबा

बंजर होने से बचानी होगी कृषि भूमि

उ

प्रजापन की दृष्टि से सबसे व्यर्थ जमीन को बंजर भूमि कहा जाता है। मरस्थलीकरण तेजी से फैल रहा है, मिट्ठी की उंडता लगातार घटती जा रही है। ऐसे में बंजर भूमि का बढ़ना एक चुनौती बनती जा रही है। भूमि के बंजर होने की सम्भावना ने अज दिनिया को सामने एक बड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भारत की जारी तो यहाँ उपजाऊ भूमि के बंजर होने का खतरा निरंतर बढ़ता ही जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार दिनाया में मात्र 11 प्रतिशत जमीन ही उजागर है। मरस्थलीकरण का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। भारत में कुल 32 करोड़ 90 लाख हेक्टेयर जमीन में से 12 करोड़ 95 लाख 70 हेक्टर हेक्टर भूमि बंजर बताई जा रही है। बंजरपन का रक्कड़ा साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है जिसे सख्ती से रोक नहीं गया तो देश में अनाज का संकट खड़ा हो सकता है। कृषि भूमि का मरस्थलीकरण और बंजर होने का खतरा थीरे-थीरे लागतों की जिदीयों का खतरा बन चुका है। इसी के साथ लाडों तक ही कीनस्ति प्रजातियों के भी विलुप्ति इकाई का खतरा बन चुका है। खेतों पर निर्भर लोग पलायन को मंजवर है। अनुमान यह है कि इस सदी के मध्य तक धरती की एक चौथाई मिट्ठी बंजर हो चुकी होगी। अभी से इसकी चिंता ना की गई तो, यह संकट बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है।

जलवाय चार्झ, खाली खाली और अत्यधिक वर्षा तक देहन के कारण भू-भूर्ता में निरंतर गिरावट आने से उजागर धरती मरस्थल का रूप धनवाय करती जा रही है। खिले के सम्बन्ध में यह एक बड़ी समस्या है।

नीति आयोग के अनुसार भारत में 67.30 लाख हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य भूमि में शांतिया और लवण्य का बढ़ने के कारण भू-भूर्ता जारी है। और 29.60 लाख हेक्टेयर भूमि लवण्यीय है। अभी तक 70 हेक्टर हेक्टेयर लवण्यीय भूमि को फिर से उपजाउ बनाया जा रहा है। बचे हुए बंजर भूमि को फिर से उपजाउ बनाने के प्रयास किया जा रहा है, लेकिन यह एक बड़ी चुनौती है।

संकेत राज्य को एक रिपोर्ट के अनुसार दिनाया हर साल 24 अब टन उपजाऊ भूमि खो दी है। भूमि की गणना खाली खाली होने से राशीय घरेलू उत्पाद में हर साल आठ प्रतिशत तक का गिरावट आ सकती है।

मरस्थलीकरण, भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर है।

भारत में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे

सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित जमीन को भी खेती

योग्य बनाया जा रहा है।

मरस्थलीकरण शुरू, अर्द्ध शुरू और शुरू उप-अर्द्ध जैविक वर्षा योग्य भूमि में संतुलित या खेती करने के कारण भू-भूर्ता जारी है। और 29.60 लाख हेक्टेयर भूमि लवण्यीय है। अभी तक 70 हेक्टर हेक्टेयर लवण्यीय भूमि को फिर से उपजाउ बनाया जा रहा है। खाली खाली खेती के लिए लगभग 144 मिलियन हेक्टेयर को इकाई करने के लिए लगातार गिरावट आ जाती है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर है।

भारत में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे

सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसे भी

खेती योग्य बनाने की कामयात्र चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

खेती के लिए एलाक्षणिक सेंटर (एसएसी) द्वारा मरस्थलीकरण और भू-भूर्ता की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के अनुसार भूमि के 60 प्रतिशत के जूनपारी के लिए एलाक्षणिक सेंटर में दब्दियां होती हैं। इसके अलावा देश के 20 प्रतिशत भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के अनुसार भूमि के 60 प्रतिशत के जूनपारी के लिए एलाक्षणिक सेंटर में दब्दियां होती हैं।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

खेती के लिए एलाक्षणिक सेंटर (एसएसी) द्वारा मरस्थलीकरण और भू-भूर्ता की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के अनुसार भूमि के 60 प्रतिशत के जूनपारी के लिए एलाक्षणिक सेंटर में दब्दियां होती हैं। इसके अलावा देश के 20 प्रतिशत भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के अनुसार भूमि के 60 प्रतिशत के जूनपारी के लिए एलाक्षणिक सेंटर में दब्दियां होती हैं।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

खेती के लिए एलाक्षणिक सेंटर (एसएसी) द्वारा मरस्थलीकरण और भू-भूर्ता की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के अनुसार भूमि के 60 प्रतिशत के जूनपारी के लिए एलाक्षणिक सेंटर में दब्दियां होती हैं। इसके अलावा देश के 20 प्रतिशत भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के अनुसार भूमि के 60 प्रतिशत के जूनपारी के लिए एलाक्षणिक सेंटर में दब्दियां होती हैं।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपगत 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो उपजाऊ के न्यूट्रिनों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्ठी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ की भूमि की उपादानका को प्रभावित करता है।



हिंडौन सिटी

Rashtradoot

फोन:- 230200, 230400 फैक्स:- 07469-230600

वर्ष: 16 संख्या: 235

प्रभात

हिंडौन सिटी, शनिवार 29 जून, 2024

पो. रजि. SWM-RJ-6069/2017-18

पृष्ठ 8

मूल्य 2.50 रु.

लोकसभा में राहुल गाँधी व राज्यसभा में खड़गे का माइक 'म्यूट'?

सोशल मीडिया पर दिनभर वायरल रही यह खबर

-रेण मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूगो-
नई दिल्ली, 28 जून। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं अपने दुसरे बन गए हैं? क्या उनके जिद भाजपा को क्षति पहुंचा रही है और ऐसा परिवृश्य पैदा कर रहा है, जिसमें ऐसा लग रहा है कि, वो आम दामी के मुद्दों के साथ जुड़े हुए हैं?

भाजपा के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि, यदि संसद में नीट के मुद्दे पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो यह भाजपा को मानवता और एक बार जब मुद्दे पर पूरी तरह बहस हो जाती तो उसके लिए जो दबाव तब रहा है वो थोड़ा कम हो जाता और ऐसा लाभ है कि, भाजपा इस मुद्दे के लिए चाल रही है।

लेकिन, हुआ क्या? ओम बिडला तथा जगदीप छांडे ने विपक्ष को यह मुद्दा उठाने नहीं दिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गाँधी का माइक स्विच ऑफ था और यह खबर अब वायरल हो गई है। ओम बिडला का हानी है कि, उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि माइक का बटन उनके पास नहीं है।

- सूत्रों के अनुसार, राहुल गाँधी ने जब लोकसभा में नीट फर्जीवाड़े का मुद्दा उठाया तो, उनका माइक कठिन तौर पर स्विच ऑफ था, जब राज्यसभा में खड़गे ने यही मुद्दा उठाया तो उनका माइक भी म्यूट था।
- राहुल गाँधी और मलिकार्जुन खड़गे दोनों ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई।
- इस मसले पर भाजपा में भी सुगबुगाहट देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, एक वरिष्ठ भाजपा सांसद ने कहा कि, संसद में नीट पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो नीट मसले पर बढ़ता दबाव कुछ कम हो जाता और युवा वर्ग में मैसेज जाता कि भाजपा को उनकी फ़िक्र है।
- एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, मोदी यह दिखा रहे हैं कि, सब कुछ उनके नियंत्रण में है, और कुछ भी नहीं बदला।
- विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि, अगर मोदी अपने तौर पर तरीके बदल लेते तो यह मैसेज जाता कि 'कमज़ोर' हो गए हैं, शायद इसीलिए मोदी पुरानी कार्यशैली पर ही चल रहे हैं।

मलिकार्जुन खड़गे को उठक म्यूट कर दिया गया। सदनके बैलों में जाना पड़ा क्योंकि, राज्य सभा में जारीप धनखड़ ने विपक्ष के दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि, सब नेता को बोलने की अनुमति देने से कुछ 17 वर्षों लोकसभा जैसा ही है, कुछ इनकार कर दिया और उनका माइक भी भी बदला नहीं है। यह भी कि, सब कुछ

उनके आदेश अनुसार ही होता है।

विपक्ष के एक नेता का कहना है कि, यह कालानिक प्रकृत्या भाजपा को अधिक हानि पहुंचाया, जितना मोदी को अहसास भी नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि, मोदी हिले हुए हैं। वो अभी भी विषयक के नेताओं को बोलने नहीं देने की पुरानी रणनीति पर चल रहे हैं। माइक म्यूट कर देना और पूरी तरह से अनन्य एजेंडा और बढ़ावे जैसी युक्तियां अब सशक्त व मौन नेता की छवि को लाभ नहीं पहुंच रही हैं।

अब यदि मोदी किसी अलग अवतार में आते हैं तो यह ऐसा होगा मानो वो स्वीकार कर रहे हैं कि, अब वो एक कमज़ोर नेता हैं जो बैसाकी के सहारे चल रहा है तथा स्वयं अपनी नियति का मालिक नहीं है।

लेकिन संदेश के पिछले कुछ दिन दृष्टि के द्वारा जो नेता के पक्ष में देखा जाता है, फिर वो पार्टी को कुछ भी नुकसान होगा।

के कार्यकाल में एकल पट्टा प्रकरण में ही अनियमिताओं पर व्यायालय से केस वापिस लेने के लिए कमेटी में तलातीन शहर तक जल में रहा है। इससे उक्त कमेटी की नियक्षणा द्वारा उपलब्ध गिरियां

के बायकी बोलने की विधि देखा जाता है।

पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठोड़ की अध्यक्षता में नव गठित समिति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एकलपट्टा केसों की जांच के लिए समिति गठित

जयपुर, 28 जून। प्रदेश में एकल पट्टों से संबंधित प्रकरणों की नियक्षणी के लिए राज्य सरकार ने समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठोड़ की अध्यक्षता में ख्याल रखना चाहिए। यह विभाग के अतिरिक्त सुख्य सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख व्यासन सचिव एवं समिति के सदस्य होंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठोड़ की अध्यक्षता में जांच समिति की ओर कहा कि एकल पट्टा केसों की नियक्षणा होगी।

के कार्यकाल में एकल पट्टा प्रकरण में ही अनियमिताओं पर व्यायालय से केस वापिस लेने के लिए कमेटी में तलातीन शहर तक जल में रहा है। आज बात प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक भजनलाल होगा।

जैसे ही सोरेन जेल से बाहर निकलकर आए उनके पक्ष में जे.एम.एस. पर जारीरों की जांच के दौरान हसी वर्ष 31 जनवरी को गिरफतार किया गया। तब से सोरेन रांची की बिरसा मुंडा जेल में ही थे।

और जो संकल्प हमने लिया थे उनको के एक जमानत बाँद एवं इतनी ही राशि की मूल्यांकित रूपये देने के लिए हम काम करेंगे।

सोरेन के वकील ने मैटिया से कहा कि कोई ने पूर्व न्यायमंत्री को प्रश्न किया गया है।

न्यायाधीश रोंगोन मुख्यमंत्री की प्रश्न दृष्ट्या दोनों नहीं थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा 5 महीने बाद रिहा हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

झारखंड हाईकोर्ट ने सोरेन को जमानत देते हुए कहा कि, उनके खिलाफ प्रथम दृष्ट्या मनी लॉण्डरिंग का कोई केस नहीं बनता है।

-डॉ. सरीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूगो-

नई दिल्ली, 28 जून। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन को मनी लॉण्डरिंग के केस में हाई कोर्ट से जमानत मिल जाने के बाद उन्हें रांची की विरसा मुंडा जेल से रिहा कर दिया गया। यह घटना राजनीति में इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस वार्ष बाद प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक भजनलाल होगा।

जैसे ही सोरेन जेल से बाहर निकलकर आए उनके पक्ष में जे.एम.एस. पर जारीरों की जांच के दौरान हसी वर्ष 31 जनवरी को गिरफतार किया गया। तब से सोरेन रांची की बिरसा मुंडा जेल में ही थे।

और जो संकल्प हमने लिया थे उनको के एक जमानत बाँद एवं इतनी ही राशि की मूल्यांकित रूपये देने के लिए हम काम करेंगे।

सोरेन के वकील ने मैटिया से कहा कि कोई ने पूर्व मुख्यमंत्री को प्रश्न किया गया है।

न्यायाधीश रोंगोन मुख्यमंत्री की प्रश्न दृष्ट्या दोनों नहीं थी।

एकल बैंच ने सोरेन को 50,000 रुपये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मनी लॉण्डरिंग रोकने में भारत विश्व में सबसे आगे'

अंतर्राष्ट्रीय संस्था, फाइनैशियल एक्शन टॉस्क फोर्स ने कहा कि, भारत के वित्तीय नियम और पूर्जी प्रवाह पर निगरानी करने वाली संस्थाएं काफी सशक्त हैं।

-अंजन रंग-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूगो-

नई दिल्ली, 28 जून। भारत को एक देश के रूप में मान्यता मिलती है जो मनी लॉण्डरिंग और टैरर पफिंग की गतिविधियों की रोकथाम में वैश्विक रूप से अग्रणी है। भारत के वित्तीय नियमन तथा वित्तीय त्रुटियों की निगरानी का सिस्टम भारत के और यहाँ साथी का इन्फॉलोइंग को दूर करने में प्रभावी कारबोर्ड को लाभ देता है।

भारत को यह मान्यता, पूरी दुनिया और देशों के भीतर मनी लॉण्डरिंग, टैरर फायरींसिंग व अनियमित वित्तीय त्रुटियों की रोकथाम करने वाली एक वैश्विक संस्था फारैनैशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) ने दी है। यह अंतर सरकारी एवं वैश्विक निगरानी एजेंसी है। भारत को सिंसापुर देश के एक विशेषक एकांश द्वारा पारस्परिक भूम्यांकन के बाद 'रैयूलर फॉलोआउट' श्रेणी में रखा गया। यह श्रेणी पर्यावरण और जांच के स्वीकारी मापदण्डों की एक मान्यता है।

इस प्रकार निगरानी के समान है कि वैश्विक यह एक वै



उन्हें लेती पिछ पर मोइंग अली से गेंदबाजी नवीन कवाना रान रानीतिक चुक थी। भारत ने बास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने हमारी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया - जोस बटलर

इंग्लैंड के कपान, सेमीफाइनल में मिली हार पर कहा।



रोहित शर्मा

राष्ट्रदूत हिंडौन सिटी, 29 जून, 2024 5

आज मिलेगा टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का चैम्पियन

बारबाडोस में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महामिडंत

टी-20 में 26 मुकाबलों में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 14 बार हराया।

भारत जीता तो दूसरी बार तथा दक्षिण अफ्रीका जीता तो पहली बार उठायेगा कप

बारबाडोस, 28 जून। बारबाडोस में शनिवार 29 जून को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। भारतीय समयानुसार ये मुकाबला रात बजे खेला जाना है। वहाँ भारतीय टीम ने अपनी शार्म की अगुआई में पछाले 11 सालों का सूखा खस्त कर दीकों अपने नाम करना चाहीं। जबकि पहली बार फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीकी टीम भी भारत के खिलाफ खिताब जीत कर खिलाफ के घरों में अपना नाम दर्ज करना चाहीं।

टी-20 वर्ल्ड कप में किस टीम का पलड़ा भारी है? आंकड़े बताते हैं कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 मैचों में भारतीय



टीम का पलड़ा भारी रहा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें टी-20 फॉर्मेट में 26 बार आपने-सामने हुई हैं। जिसमें भारत ने साउथ अफ्रीका को 14 बार हराया है, जबकि 1 मैचोंमें हार का सामना करना पड़ा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें न्यूट्रल वेन्यू पर 2 बार आपने-सामने हुई हैं। दोनों बार साउथ अफ्रीकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस तहे इन आंकड़ों से साफ है कि टी-20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम का दबदबा रहा है, लेकिन ये देखना मजेदार होगा कि फाइनल में क्या होता है?

कोपा कप : पनामा ने अमेरिका को हराकर ग्रुप-सी में अपनी उम्मीदें कायम रखीं



अमेरिका, 28 जून। गोल के बादलोंके द्वारा किये गए गोल की बदौलत पनामा ने अमेरिका को गुरुवार रात 2-1 से हराकर कोपा-अमेरिका के बाबतीय जीत की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। मर्सिन्हो-बैक स्टेडियम में 18वें मिनट में दोनों टीमों के येजान को 10-पुरुषों तक सीधित कर दिया गया था जब टिमोंवीं बेंच को रोडरिक मिलर पर एक हिंसक चैलेंज के लिए सीधे

लाल कार्ड दिखाया गया था। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन ने 18-

वार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से

लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस ड्रेटके के बाबजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालागुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिहोने एंटोनी रोकेन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं-पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं करने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीरीजर ब्लैकमैन

